

3292

१५६ भास्त्रिज्योपचार यन्त्रोपहित

ASHA ARCHIVES

२ॐ नमः शिवाय ॥ हे कामना देवि किमनं कदा सा का
 सिधये के गुणाने सिधियुता ॥ ५१२० ॥ इत्युक्त्वा
~~विमलेश्वर उवाच ॥ सर्वं दुःखं प्रवृत्तं नृणां कर्मण्येव~~
~~सिद्धिर्वाप्स्यते ॥ ५१२१ ॥ तावदिहा ह्यस्य~~
~~सिद्धिर्वाप्स्यते ॥ ५१२२ ॥ तावदिहा ह्यस्य~~

१५

२ॐ नमः शिवाय ॥ सर्वं दुःखं प्रवृत्तं नृणां कर्मण्येव
 सिद्धिर्वाप्स्यते ॥ ५१२३ ॥ तावदिहा ह्यस्य
 सिद्धिर्वाप्स्यते ॥ ५१२४ ॥ तावदिहा ह्यस्य
 सिद्धिर्वाप्स्यते ॥ ५१२५ ॥ तावदिहा ह्यस्य
 सिद्धिर्वाप्स्यते ॥ ५१२६ ॥ तावदिहा ह्यस्य
 सिद्धिर्वाप्स्यते ॥ ५१२७ ॥ तावदिहा ह्यस्य
 सिद्धिर्वाप्स्यते ॥ ५१२८ ॥ तावदिहा ह्यस्य
 सिद्धिर्वाप्स्यते ॥ ५१२९ ॥ तावदिहा ह्यस्य
 सिद्धिर्वाप्स्यते ॥ ५१३० ॥ तावदिहा ह्यस्य

३
१ रुति, लुचुमं, गुरु आ आ, वं जो जो गी ती, माता अं ग
ॐ न ल मं थ ल, ह का हं ड य का ड व ॐ सा हा ॥
॥ इ ॥ ला व श व स नित य रु य ल वं न ल क ॥ धा न
॥ धे त स्मा क या ॥ भ व न म रू या क या अ व धित या ॥

ॐ न

ॐ न म गी गुरु आ हा ॐ द ट की की न ली या वति
४ गुरु आ हा ॥ वा स्मा क वृ य प्र ता ॥ ५ ॥ ॐ न
म गी गुरु आ हा ॐ मा हा क वा वति गुरु गी
ॐ हा गं रु ॥ चो चो के क या जि या म नु मा दा वि
प्र ता ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवा ॐ हूँ हूँ हूँ हूँ हूँ ॥ संसा वा
दि व प्रापू प्रा ता ॥ * ॥ स्क ॥ कृत्तु लि क वू ल ॥ सु मि क
कं मुं नि ना थू नि र व प्र ल, अ न मि सा हो ल यो ॥ व न प्रा यो ॥
॥ ॐ न मा के नं ति श्व ना प्र सर्व य ना य सर्वो व स्या न स्वा
हो ॥ ५३ ॥ चि क न क व ल वा व ना रि स न प्र व स वा

न स न य, प थ स स य ॥ भा वा व प्र क मं क ॥ सि द्वि ग्
न श ग्या ॥ दा श मि प्रा स्वा हो ॥ ५३ ॥ उ थि स ग ल स थि
प्र का व सूनं थि प्र म दू ना वा प्र म र्श ना स न द प्र का वः
न प्र थ ग्गु ति मि ना र व स द वा क्का ता या ना व वा स वाः
प्र प्र का व लं स व स न प्र, ग ल ना व ३ लं स व स न प्र, थ म

लिलं खञ्जलरश्मिनि, लाहकस्य रूपावकायाया, नारका
संदूतानि, थूङ्कस्य धातुतमथूङ्कलिलं खञ्जनास्य रूपा
वृक्षस्य धातुना हातनकोपुयावमंकु धातुवावलंख
नानकोपुयाव रूपाव रूपाव रूपाव रूपाव रूपाव रूपाव
तकोमकायावमिश्रा रुनप्राथे वोलियकावदाम

शङ्कस्य शङ्कदाय ॥ मायाव रूपाव ॥ ॥ ~~मायाव~~
सिद्धिगुणेश ॥ रुपाव अनिवापानस्य निस्तुलस्य स्वा
लो ॥ अ३ ॥ रूपाव रूपाव रूपाव रूपाव रूपाव रूपाव
मायावयि ॥ ॥ रूपाव रूपाव रूपाव रूपाव रूपाव रूपाव
मरुतस्य रूपाव रूपाव रूपाव रूपाव रूपाव रूपाव

नवासरयशदागनावशुय॥ नादन ॥ ॐ कौ
क्रीं कूं कूं स्वाहा ॥ ॐ ॥ विरुतिन न व. धूसखा
वान न व दूत कु सु न न व य यु व काय का शोकेन
न, नि नारवमाल वलि यु पा त म ले न मा ता त या व
माल या य, ध दा का स त य ॥ रुत ले प् द या ॥ *

॥ ॐ ॐ ३४ विधि माता साहासं कुं नू म ल वि
मि द दान मा न मा ॥ ॐ २१ ॥ धर्म नू या प्र सो व रु न वि
सा च न द व नं यु न पू न म रु व् दा ड म त सा धर्म नू न
नि य च्छु धा त वा दा व जी गा य व्वा त स्व मा रुं रुी न म
ना व मा द य म रु जी ॥ ॥

ॐ गुरुमुहनाति पाति धनाहा दूइ इ स्वाहा ॥

॥ हि विष्णु ॥ × ॥ ॐ गुरुगुरु ॥ ॐ गीसहा ॥

॥ धम ॥ ॥ वामागमक ॥ × ॥ ॐ नम गुरु शिहा ॐ द्वा
निश्रमकावश कुरु स्वाहा ॥ माहा निरु यमि सीवसा
काय ॥ × ॥ ॐ नानीवीरवता नी स्वाहा ॥ धम ॥

ताल शव्य तारवा मयाव योयक ॥ × ॥ ॐ हाहि
कद दूति स्वा दू दू स्वाहा ॥ धम ॥ ॐ यमि दादयाल
रवमनुया दाहाय, दा प्रायवा दना डी नान के माया
वेयमदू वयि क ॥ × ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ दू फदधी स्वाहा ॥ १०८
स्वप्रसव्युमंत्र ॥ ॥ अहस्यजुई ॥ ॥ पुराण भास ॥ ×

ॐ न वकु न वकु ॐ न स्वाहा ॥ ॐ ॥ मित्रि क भवन
न प्रमद ॥ न व व व प्य न स्वाहा ॥ * ॥ ॐ न व
न व न स्वाहा ॥ ॐ ॥ भवन मख प्रादा वन कल
सांथ ममु धाल वा वन प्रमद ॥ * ॥ ~~ॐ न व~~
ॐ न

ॐ न
ॐ धा न धा न माहा धा न व, सम याल न धा न र्व र व
कु ला द विल खित न त धा ल स्वाहा ॥ ॥ द ल जा
ना थ न ॐ ल त गा व न व ल धा व थ व धा ल स व म
स व पु ना प्र रु म ॥ ॥ ॐ वा ल की मा त्रि ल क हि क्का

रु नु क सु र्गं थ गुरुवाचा सिद्धि पत्त भ स्व त गुरु अ
रु ॥ भवेत्तथ प्रथमावन किं धर्मं न स्नानान वय
रु प्रमूमा लता दत्त ॥ x ॥ ॐ प्रमूमा लता दत्त ॥ भवेत्त
या दत्त प्रान य रु या व ता न के ॥ x ॥ ॐ कर्ण सुर्व नि य द
स का ला रु न व थ मि स्त्रो हा ॥ धर्मं श द हा य कू थ न व स

या नि ना सा ॥ x ॥ ॐ नम ग न सा प्रान म ॥ सिद्धि ग
रु अरु मा लि व लि अ द य र्ग द य र्ग अ सा य य द य र्ग रु
सिद्धि अरु हू का लि रु रु अरु ॥ यो न ॥ थ व ता हा
वृ य धर्म चा ल स रु य रु दा व या ॥ ॥ x

ॐ सिंदि गुरु आरु वासि सुमदवालि प्रमुत रु
नावालि प्रमुद सिंगी गुरु आरु ॥ ॥ अ० १ मि
स्वाय स्वत ३१ ५१ प्रा ॥ ४॥ दत्त कसल १ रू जवत १ ६० का
१ दू ० स्वत १ अश्वत १ हस्व १ धन १ अदावध वद यंक

थयूयथा नैयक सिद्ध नदूख विद्या, कृकया पुदा
 वया ॥ ॥ कवसि किल कसलि दाल चिनि ॐ मूं
 काला जि सुभुमि पूर्व मृपु ति रुला ति कउ
 ग्वय गम जि रुज मूं मध रोल, कच ल्या कन

जायपयी जि खल ले श्री प्रसा ॥

मे वनमषूया दान क व ले धर्म तु वा न वा न य

१ सि द्वि गुरु आ झा ॥ यानि यानि त्र का यानि
कु त का न य व्या य का न य भा यान का न य भा
ग्य न ना ष य पत्त ह्री न का न य का म नू यि ॥
मं नु क नू ता इ ही प र ता इ ॥ श्री १ ॥ ॐ श्री
कृ क्री द्वि इ न स्वाहा ॥ ॥ श्री ३ ॥ मे वनमू

२ धया वा सलपि तिसरु सनवा लया यथ प्रकया
हि थु लि २ ग्गय नाया हार सेय २ साधा २ व २ व २ हल २
सुथ २ विवि २ थ ॥ ॥ मिहिं जालय ॥ ॥ श्रीरव २ द २ व
ना २ क २ सु २ सुक २ नू २ क २ सु २ ल २ वा २ य २ वि २ वि २
मू २ व २ हल २ व २ क २ क २ ल २ हार २ सा २ व २ ल २ वा २ जालय वा

तलशवया र्ग निमदया सावलनरु त विमावनक
खदुल व २ हानक सुथ व २ क्रि ॥ ॥ यथ प्रक ॥ ॥ कव
वपि २ क २ व २ सि २ द्या २ सी २ सुथ २ ह २ क २ जि २ ल २ ल २ वि २ वि २
२ हि २ क २ से २ थ २ वि २ द २ नी २ क २ वि २ हल २ ०० मू २ सा २ धा
सार निजावक क व २ ख २ य २ त २ या २ जालनक ॥ ॥

॥ अत हि वश वय ॥ ॥ सा खल रम न य २ हा कु तु मा हा न
 ये म ह न त र ॥ ति द स रु ग मा दा व न न था ल ॥ व या ल
 न क ॥ ॥ ऊ सां थ १ त ल मा प्र हा १ ति न स्वा च वा वा
 के न प्र हा १ ज्व ल स्वा १ ॥ मि स्वा प्र क प्र ना स्व प्र ग
 रि न मि स्वा प्र क प्री व या ॥ ॥ ऊ ऊ स्वा र य न्नां वा क २

है कर्म म प्रोचनन
 र क

हयं यगं येन थक उवा या
 आरुत प्रक स या मा आ का
 वाय के वा न क ल आश ना
 वा न गृह ना ति रु ना ॥

अरु ग व न रु उ व न प्र
 या स थ क रु रि म र्ग म
 ग रि द जि म प्र म आ इ
 ना ॥ ४



ऐकविंशतियं नमः ॥

८	३	१०	२९
२	७	५	२९
४	११	६	२९

१३३ वषयजुयकेयनापुष्टिकादि

धुलोवषधि	तोला	१
स्नानावषधि	तो	१
पांषातभेद	तो	१
सिलाजीत	तो	१
निर्वसी	तो	१
तवगोजील	तो	१
त्रिकटु	तो	३
कर्कमसि	तो	१
जीर	तो	१

कृष्णजीर	तो	१
सुकुंमोजीर	तो	१
त्रिफला	तो	३
मेला	तो	१
धूषोला	तो	१
सीसे	तो	१
होहरा	तो	१
पेता		१
धुस्त्रा		१
मेक्याल		१
मृद्वस्त्र		१

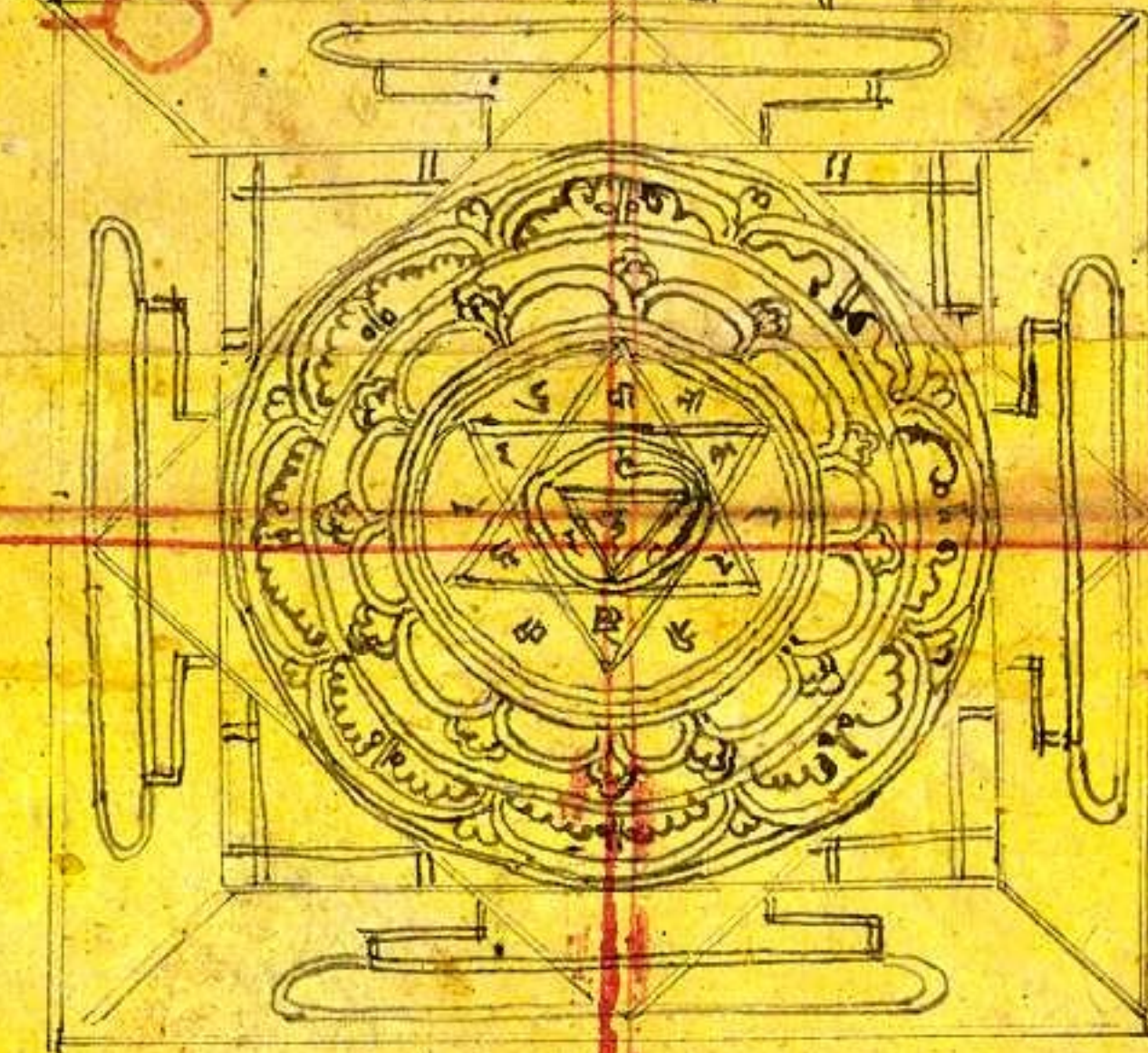
स्ववस्त्र	तो१
अजमु	तो१
वोमिखो	तो१
थिजी	तो१
दामपात्या	तो१
इमुन	तो१
कमलउ	तो१
सुपावु	तो१
लवाउ	तो१

जिफेला	तो१
जायपत्री	तो१
हीउ	तो१
कुलीजन	तो१
मुसलीकन्द	तो१
विदारिकन्द	तो१
सूरण	तो१
वालवाक	तो१
मध्वस्थावदाम	तो१
सुसमीधु	तो१

पाथा	तो१
मकड़ी	तो१
तेजपात	तो१
लवंग्याश	तो१
लुपु	तो१
मालेह	तो१
कुदहपु	तो१
रुदिलो	तो१
यमसवाल	तो१

पदम्याला	तो१
कुस्यांतु	तो१
कषायधु	तो१
धेल	तो१
कक्षि	तो१
साधल	तो१
तोयूसोधल	तो१
उडु	फै२

॥ कर्मशास्त्राय नमः ॥





ॐ



